काले-भूरे रंग का अल्बाट्रॉस

हाल के एक अध्ययन में अल्बाट्रॉस (Albatrosses) की आबादी के मध्य रिश्तों की लंबी उम्र पर पड़ने वाले पर्यावरणीय परिस्थितियों के प्रभाव का प्रमाण प्रदान किया है।

- शोधकर्त्ताओं के अनुसार, जलवायु परिवर्तन और गर्म जल के कारण काले-भूरे रंग के अल्बाट्रॉस की आपस में बिछुड़ने की दर में अधिक वृद्धि हुई है।

प्रमुख बिंदु

- **काले-भूरे रंग का अल्बाट्रॉस:**
  - **वैज्ञानिक नाम:** थालास्सारचे मेलानोफ्रिस (Thalassarche melanophris)
  - ये अल्बाट्रॉस डायोमेडीडे (Diomedeidae) परिवार के सदस्य हैं इनकी 'नालिकानुमा नाक' (Tube-Noses) शीयरवाटर (Shearwaters), पेट्रेल (Petrels) और फुलमार(Fulmars) से संबंधित है।
    - यह सबसे सामान्य और व्यापक स्तर पर पाया जाने वाला अल्बाट्रॉस है।
  - इस बड़े समुद्री पक्षी का यह नाम इनकी आँखों के ऊपर गहरे काले रंग के पंखों के कारण है।
  - अल्बाट्रॉस वास्तव में समुद्री पक्षी हैं, जो दक्षिणी गोलार्द्ध में महासागरों को पार करते हुए केवल प्रजनन के लिये भूमि पर लौटते हैं।
- **वितरण:**
  - ये दक्षिण अटलांटिक में और दक्षिणी गोलार्द्ध में सरकंपोलर के पास पाए जाते हैं। इनका परिवेश ठंडी धाराओं के साथ उत्तर की ओर बढ़ता जाता है।
  - सितंबर और अक्तूबर के दौरान ये पक्षी दक्षिण अटलांटिक द्वीपों जैसे- दक्षिण जॉर्जिया और फॉकलैंड द्वीप समूह, दक्षिण सैंडविच एवं केप हॉर्न द्वीपों पर प्रजनन करते हैं।
- **खतरा:**
  - स्थलीय जानवरों के शिकार।
  - मत्स्य पालन और जलीय संसाधनों का संचयन।
  - आक्रामक और अन्य समस्यात्मक प्रजातियाँ, जीन एवं रोग।
  - ज्वालामुखी।
  - जलवायु परिवर्तन और खतरनाक मौसम।
- **संरक्षण स्थिति:**
  - अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN): **कम चिंतनीय (Least Concern- LC)**

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/black-browed-albatross